



भारत का गज़त The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 232]

नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, जुलाई 19, 1979/आषाढ़ 28, 1901

No. 232]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 19, 1979/ASADHA 28, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की आती है जिससे कि यह असाधारण संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(बाद विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1979

सा० का० नि० 449ग्र(ब) (ई)/भा० वस्तु/शर्करा—केन्द्रीय
मरकार, शर्करा (नियंत्रण) आदेश, 1966 के खण्ड 5 द्वारा प्रवत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के हृषि और सिंचाई मंत्रालय
(आद्य विभाग) के आदेश सं० सा० का० नि० 28(ग्र०)/भा० वस्तु/शर्करा
तारीख 16-1-79 को अधिकार करते हुए नियंत्रण देती है कि,—

(1) नियन्त्रित स्थानों में कोई भी मान्यताप्राप्त व्यवहारी किसी
एक समय पर स्टाक में उन्ने परिमाण से अधिक निर्वात कड़ाह शर्करा
(बैक्यूम पैन शुगर) नहीं रखेगा जिन्होंने हरएक के सामने बणित है,—

(1) कलकत्ता और विस्तारित क्षेत्र में—

(क) मान्यताप्राप्त व्यवहारी, जो पश्चिमी बंगाल के बाहर से शर्करा
आयात करते हैं—7,300 किवन्टल;

(ख) अन्य मान्यता प्राप्त व्यवहारी—1,500 किवन्टल;

(2) अन्य स्थानों में—

(क) पांच साल या अधिक की जनसंख्या वाले शहरों और नगरों
में—1,500 किवन्टल;

(ख) एक साल और अधिक किन्तु पांच साल में कम की जनसंख्या
वाले शहरों और नगरों में—750 किवन्टल;

(ग) एक साल से कम जनसंख्या वाले अन्य नगरों में—375
किवन्टल

परन्तु इस आदेश की कोई बात नियन्त्रित द्वारा रखे गए, शर्करा
के स्टाक को लाए नहीं होंगी।

(1) गरकार की ओर से रखा गया स्टाक; अथवा

(2) राज्य भरकार द्वारा या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी
द्वारा नामनिर्देशित किसी मान्यताप्राप्त व्यवहारी द्वारा उचित
मूल्य की दुकानों के माध्यम से वितरण के लिए रखा गया
स्टाक; अथवा

(3) भारतीय आदेश द्वारा रखा गया स्टाक।

स्पष्टीकरण—इस आदेश के प्रयोजन के लिए “कलकत्ता और विस्तारित
क्षेत्र” से बे क्षेत्र अभियन्ते हैं जो पश्चिमी बंगाल सरकार की
प्रधिसूचना संख्या 7752-एक० एम०/एक० एस०/14
पार 92/64, तारीख 16 दिसम्बर, 1964 में विनियोगित
हैं;

(2) कोई भी मान्यताप्राप्त व्यवहारी किसी भी समय दो हजार पाँच
सौ किवन्टल से अधिक व्यष्टि नगर (प्रोटेन पैन शुगर) का स्टाक
नहीं रखेगा।

[मा० 1/23/79-एम० वी० वाई (डेस्क II)]

मी० एन० शशवन, संयुक्त-सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 19th July, 1979.

G.S.R. 449(E)/Ess. Com./Sugar.—In exercise of the powers conferred by clause 5 of the Sugar (Control) Order, 1966, and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. G.S.R. 28(E)/Ess. Com./Sugar, dated the 16th January, 1979, the Central Government hereby directs that,—

- (i) no recognised dealers in the places mentioned below shall keep in stock at any time vacuum pan sugar in excess of the quantities mentioned against each,—
 - (1) in Calcutta and extended area—
 - (a) recognised dealers who import sugar from outside West Bengal—7,500 quintals ;
 - (b) other recognised dealers—1,500 quintals ;
 - (2) in other places—
 - (a) in cities and towns with a population of five lakhs or more—1,500 quintals ;

- (b) in cities and towns with a population of one lakh and more, but less than five lakhs—750 quintals ;
- (c) in other towns with a population of less than one lakh—375 quintals :

Provided that nothing in this Order shall apply to the holding of stocks of sugar—

- (i) on Government account ; or
- (ii) by the recognised dealers nominated by a State Government or an officer authorised by it to hold such stock for distribution through fair price shops ; or
- (iii) by the Food Corporation of India.

Explanation :—For the purpose of this Order, “Calcutta and extended area” means the areas specified in the Schedule to the notification of the Government of West Bengal No. 7752 F. S./F. S./1 R. 92/61, dated the 16th December, 1964 ;

- (ii) no recognised dealer shall keep in stock at any time khandsari (open pan sugar) in excess of two thousand five hundred quintals.

[No. 1-23/79-SPY(Desk-II)]

C. N. RAGHAVAN, Jt. Secy.